भारतीय नौसेना पोतों के रीफिट्स का नियोजन एवं प्रबंधन

मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के लिए भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन

संघ सरकार
रक्षा सेवाएं (नौसेना)
2013 की प्रतिवेदन सं.31
(निष्पादन लेखापरीक्षा)

विषयसूची

क्रम सं./ पैरा सं.	विषय	पृष्ठ
1.	प्राक्कथन	i
2.	कार्यकारी सारांश	ii
3.	अध्याय 1: प्रस्तावना	1
1.1	भूमिका	1
1.2	रीफिट और उसके प्रकार	1
1.3	संगठनात्मक ढांचा	3
1.4	मरम्मत बाड़े	4
1.5	वित्तीय पहलू	4
1.6	इस विषय को चुनने के कारण	5
1.7	लेखापरीक्षा उद्देश्य	6
1.8	लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र	6
1.9	लेखापरीक्षा मापदण्ड के स्रोत	7
1.10	आभार	7
1.11	लेखापरीक्षा प्रणाली	7
4.	अध्याय 2: रीफिट्स की योजना और निष्पादन	9
2.1	रीफिट्स की योजना कैसे बनाई जाती है?	9
2.2	रीफिट्स का निष्पादन	11
2.3	शुष्क गोदीकरण दिनों का अधिक उपयोग	18
2.4	रीफिट्स की ऑफलोडिंग	18
5.	अध्याय 3: पोतों का मध्य जीवन उन्नयन	23
3.1	मध्य जीवन उन्नयनः मूलाधार, आवश्यकता तथा अभ्यर्थी पोत	23
3.2	एमएलयूज़ की योजना और कार्यान्वयन	24
3.3	वित्तीय प्रबंधन	30
3.4	एमएलयू की प्रभावकारिता	32
3.5	एमएलयू उपस्कर की अधिप्राप्ति	36

6.	**अध्याय 4: बुनियादी ढांचा, मानव संसाधन तथा अतिरिक्त पुर्जों की आपूर्ति**	**42**
4.1	भूमिका	**42**
4.2	बुनियादी ढांचा सुविधाएं	**42**
4.3	पिछले लेखापरीक्षा निष्कर्ष	**44**
4.4	अतिरिक्त बुनियादी ढांचे का सृजन	**45**
4.5	मानव संसाधन	**50**
4.6	अतिरिक्त पुर्जों की आपूर्ति	**56**
4.7	भण्डार की स्थानीय अधिप्राप्ति	**61**
7.	**अध्याय 5: रीफिट्स और मध्य जीवन उन्नयनों का लागत लेखांकन**	**64**
5.1	प्रस्तावना	**64**
5.2	गोदीबाड़ों में लागत लेखांकन प्रणाली	**65**
5.3	ए डब्ल्यू पी ए तैयार करने मे विलम्ब	**66**
5.4	रीफिट की लागत का निर्धारण करने में कठिनाईयां	**67**
5.5	कार्यादेशों को बन्द करने में विलम्ब	**67**
5.6	लागत लेखाओं को तैयार नहीं करना	**68**
8.	**अध्याय 6: निष्कर्ष**	**70**
	निष्कर्ष	**70**
	अनुबंध - I	**72**
	अनुबंध - II	**77**